पाठ 16. हिमालय

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य भारत की सुरक्षा में खड़े, भारत के गौरव हिमालय पर्वत का गुणगान करना है। यह कविता हिमालय की विशेषताओं के साथ-साथ हिमालय द्वारा भारत का यशोगान भी कर रही है।

पाठ का सारांश

भारतवर्ष का गौरव हिमालय सदियों से सिपाही की तरह खड़ा हुआ है। वह नीले अंबर को भारत की महिमा का गान सुना रहा है। भारत का इतिहास बहुत पुराना है। भारत ने ही विश्व में ज्ञान का उजाला फैलाया है। पवित्र नदी गंगा हिमालय की गोद से ही निकलती है। हमें भी हिमालय की भाँति भारत की सुंदरता का गुणगान करना चाहिए और अपने देश पर हिमालय-सा गर्व करना चाहिए।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश का लययुक्त वाचन करवाएँ। बच्चों को हिमालय के बारे में बताएँ।

- कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। **'अडिग हिमालय खड़ा हुआ है, आँधी हो या चाहे तूफ़ान।'** – अर्थ है कि हिमालय पर्वत भारत की रक्षा करता है। इसके कारण शत्रु हमारी सीमाओं में घुस नहीं पाता। **'इसकी गोदी में लहराती, गंगा की सुंदर जलधारा।'** – अर्थ है कि गंगा नदी हिमालय पर्वत से ही निकलती है और हमारी प्यास बुझाती हुई आगे बढ़ती जाती है।
- समझाएँ, हमें अपने देश भारत तथा हिमालय पर गर्व करना चाहिए।
- बताएँ, हिमालय पर कई प्रकार की औषधियाँ एवं जड़ी बूटियाँ भी पाई जाती हैं।
- समझाएँ, हमें हिमालय के समान ही साहसी और दृढ़-निश्चयी बनना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।